VISION IAS
M
N 25 OCT 2015
SUBMITTED / RECEIVED

VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 634)

Name of Candidate	PREMSUKH DELU		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	15301
Center	Delhi	Date	25/10/15

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are FOURTEEN questions printed in HINDI and ENGLISH.
इसमें चौदह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

75, 3rd Floor, Old Rajinder Nagar Market, Near Axis Bank, New Delhi – 110060

103, 1st Floor, B/1-2, Ansal Building, Behind UCO Bank, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi – 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) Even though women may have equal skills, qualifications and commitment as men, they face much more difficulty in rising up the leadership hierarchy. Discuss the reasons for the same. Also, explain the importance of having gender parity in positions of leadership. 10

पुरूषों के समान कुशलता, योग्यता और प्रतिबद्धता जैसे गुणों से युक्त होने के बावजूद भी महिलाओं को नेतृत्व श्रंखला मे उच्च सोपानों तक पहुँचने के लिए अपेक्षाकृत अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है। समस्या की पृष्ठभूमि मे निहित कारणों पर चर्चा कीजिये | इसके साथ ही नेतृत्व के बिविध स्तरों पर लैंगिक समानता के महत्व का उल्लेख कीजिए।

विभिन्न कठिनाई के कारण :-

① पितृसत्तात्मक सोच के कारण आज भी समाज में महिला की भूमिका घरेलू चारदीवारी में बच्चों के पालने पोसने तक सीमित समझा जाता है।

② जैविक भिन्नताओं के कारण महिलाओं को विभिन्न कार्यों में आने वाली कठिनाइयों को बढ़ा चढ़ा कर दिखाना

③ सेना जैसे सेवाओं में महिलाओं को उपयुक्त न मानना

④ ~~[illegible]~~ समाज में फैली अशिक्षा, रूढ़िवादिता के कारण महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाती हैं

⑤ बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या के कारण वह इन स्तरों तक पहुंच ही नहीं पाती हैं

लेकिन इन सब बातों के बावजूद आज महिलाएं आगे बढ़ी हैं तथा उन्होंने

महत्वपूर्ण पदों को ~~सुशोभि~~ सुशोभित किया है जैसे किरण मजूमदार, इंदिरा नूयी, सोनिया गांधी, मायावती, जयललिता, इत्यादि

लैंगिक समानता से फलस्वरूप महिलाओं की नीति निर्माण में भागीदारी बढ़ती है उनमें आत्मविश्वास आता है तथा एक अनुमान के अनुसार भारत में महिला भागीदारी बढ़ने से GDP 4% तक बढ़ सकता है इससे महिला आर्थिक, राजनीतिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त होगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** All correct decisions are honest and all incorrect decisions are dishonest. Do you agree? How should the correctness and incorrectness of a decision be decided? 10

सभी सही निर्णय ईमानदारी भरे होते हैं ओर सभी गलत निर्णय बेईमानी भरे होते हैं। क्या आप सहमत हैं? किसी निर्णय के सही होने और गलत होने का निर्धारण किस प्रकार किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) Should birth control be a voluntary exercise or a government policy in a country? In this regard, examine the ethical dimensions of having a One Child Policy in India. 10

किसी राष्ट्र में जन्म पर नियंत्रण, स्वैच्छिक प्रयास के माध्यम से होना चाहिए या सरकारी नीति के माध्यम से होना चाहिए? इस संबंध में, भारत में एक बच्चे की नीति के नैतिक आयामों का परीक्षण कीजिए।

राष्ट्र के विकास में वहां की जनसंख्या का महत्वपूर्ण योगदान होता है यदि राष्ट्र की जनसंख्या उचित हुआ है तो वह उनके लिए फायदा बन जाती है पर अत्यधिक जनसंख्या होने से संसाधनों पर दबाव भी बढ़ता है अतः एक उचित जनसंख्या नीति आवश्यक है

जहां तक जनसंख्या नियंत्रण की बात है एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए यह महत्वपूर्ण है इसे जनसंख्या नीति बनानी चाहिए लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए इसे बाध्यतापूर्ण नहीं बनानी चाहिए अपितु स्वैच्छिक बनाना चाहिए तथा जनता को प्रेरित करना चाहिए तथा सरकार को प्रेरक की भूमिका निभानी चाहिए।

जहां तक बच्चे की बात है भारत की वर्तमान बढ़ती हुई जनसंख्या के संदर्भ में यह महत्वपूर्ण है लेकिन इसे लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए बाध्यता पूर्वक नहीं बनानी चाहिए क्योंकि अनैतिक काम बढ़ेंगे तथा जहां पहले से ही

पितृसत्तात्मक समाज है वहां कन्या भ्रूण हत्या जैसे मामले बढ़ सकते हैं तथा महिला सशक्तिकरण पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

अतः हमें एक बच्चे की नीति पर ध्यान देना चाहिए लेकिन स्वैच्छिक एवं सरकार का काम प्रेरक की भूमिका है एवं विभिन्न प्रोत्साहन देना तथा लोगों की मनोवृत्ति परिवर्तन हेतु विभिन्न प्रयास करने चाहिए तथा साथ ही शिक्षा का स्तर बढ़ाना चाहिए एवं लोगों को छोटे परिवार की महत्ता बताएं तथा उनके अंधविश्वासों, गरीबी और मूलभूत कारणों को दूर करें तो निश्चित रूप से हम आगे बढ़ेंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) An organisation consists of a variety of individuals with varying values and degrees of motivation. What challenges do leaders face when forging a harmonious work culture in such an organisation? How can leaders engender a sense of inclusion in face of such diversity? 10

एक संगठन का निर्माण अलग-अलग मूल्यों और अलग-अलग अभिप्रेरणा स्तर वाले विविध प्रकार के व्यक्तियों से होता है। इस प्रकार के संगठन में सामंजस्यपूर्ण कार्य-संस्कृति के विकास के मार्ग में नेतृत्व के द्वारा किन चुनौतियों का सामना किया जाता है? इस प्रकार की विविधतापूर्ण स्थिति में नेतृत्व के द्वारा कार्य करने वाले व्यक्तियों में समावेशिता की अनुभूति किस प्रकार समाविष्ट की जा सकती है?

नेतृत्व द्वारा एक श्रेष्ठ कार्यसंस्कृति में निम्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।-

(1) संगठन की कार्यकुशलता को बनाए रखना
(2) सभी व्यक्तियों के मध्य समन्वय स्थापित करना एवं एक टीम के रूप में कार्य करने हेतु प्रेरित करने की चुनौती
(3) विभिन्न विरोधी हितों के टकराव की चुनौती
(4) कार्य का समय पर निष्पादन की चुनौती

अतः हम देखते हैं कि अनेक चुनौतियां पैदा होती हैं अतः एक श्रेष्ठ कार्यसंस्कृति हेतु निम्न रणनीति अपनाई जा सकती है

(1) सेवा अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करें, विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन करके कार्मिकों में समन्वय की भावना को बढ़ावा
(2) मनोवृत्ति परिवर्तन हेतु विभिन्न लघु फिल्में, नाटकों का आयोजन कर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

देशभक्ति एवं एकता से प्रेरित करना

(3) एक आदर्श संहिता बनाकर नेतृत्व स्वयं द्वारा उसका पालन कर एक उदाहरण पेश करना।

(4) अच्छा कार्य करने वालों को विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन देकर प्रेरित करना एवं गलत करने वालों को दण्ड देकर हतोत्साहित करना।

(5) संगठन की कार्यप्रणाली को पारदर्शी एवं जवाबदेहीपूर्ण बनाना।

इस तरह हम एक संगठन में आदर्श कार्य संस्कृति का निर्माण कर सकते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) Notwithstanding compassion and morality, it is national interest that ultimately determines a country's decisions in international relations. Discuss this statement in the context of the current refugee crisis. 10

दया और नैतिकता जैसे मूल्यों का महत्वपूर्ण स्थान होते हुए भी, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के परिप्रेक्ष्य में अंततः राष्ट्र के निर्णयों को राष्ट्रिय हितों के आधार पर ही निर्धारित किया जाता है | वर्तमान शरणार्थी संकट के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा करें।

दया एवं नैतिकता महत्वपूर्ण मूल्य है पर सभी राष्ट्रों द्वारा अपनी विदेश नीति में राष्ट्रीय हितों को ही प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि राष्ट्रों के लिए एकता, अखण्डता, संप्रभुता की महत्ता निर्विवाद है

जहां तक शरणार्थी संकट की बात है आज सम्पूर्ण विश्व इससे जूझ रहा है तथा आयलान कुर्दी की ~~[illegible]~~ तस्वीर के बाद यह आकर्षण सबों में आ गया कि विश्व में आज जहां यूरोपीय राष्ट्र मध्य-एशियाई शरणार्थियों की समस्या से जूझ रहे वहीं रोहिंग्या, तिब्बती, अफगान, अफ्रीकी शरणार्थियों ने सम्पूर्ण विश्व के सामने चुनौती पेश की है

शरणार्थियों को लेकर विभिन्न राष्ट्रों में रोजगार, शिक्षा, नृजातीय पहचान, आतंकवादी खतरे, संसाधनों पर दबाव को लेकर, अपने देश में लोगों का विरोध को लेकर विभिन्न राष्ट्रों के सामने चिंताएं ~~[illegible]~~

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उभरती है ~~[illegible]~~ जैसे हम भारत के उत्तर पूर्व के क्षेत्र में नेक्सलवादी घुसपैठियों के कारण पैदा चुनौती के रूप में देख सकते हैं।

अतः हम देखते है कि राज्य के माध्यम मात्र केवल दया एवं नैतिकता ही नहीं शांति एवं व्यवस्था भी उभर जाती है। ~~[illegible]~~

अतः शासकीय समस्या के उचित हल के लिए जाती है एक शासकीय नीति के माध्यम से वैश्विक शांति को बढ़ावा देना होगा। अपने व्यक्तिगत स्वार्थों के लिए लोगों को उकसाना कतई उचित नहीं है यह पश्चिमी राष्ट्रों, अमेरिका एवं आतंकियों सभी को समझना होगा।

3. (b) What are the ethical issues involved in climate change negotiations? Suggest some strategies to address the divergence in ethical positions of different nations. 10

जलवायु परिवर्तन पर होने वाली वार्ताओं में समाहित नैतिक मुद्दे क्या हैं? विभिन्न राष्ट्रों के नैतिक मुद्दों से संबंधित दृष्टिकोण में जो भिन्नता है, उसके का समाधान के लिए अपनाई जा सकने वाली रणनीतियों का सुझाव दीजिये।

जलवायु परिवर्तन वार्ता वैश्विक समस्या है जिसमें समाहित ~~मुद्दे~~ नैतिक मुद्दे निम्न हैं:-

(1) ऐतिहासिक दायित्व का मुद्दा अर्थात, जलवायु परिवर्तन में विकसित राष्ट्रों का ज्यादा योगदान है

(2) विकास का मुद्दा अर्थात विकासशील देशों के सामने गरीबी को दूर करने की चुनौती है लेकिन साथ ही पर्यावरण संरक्षण भी रखना है

(3) ~~तकनीकी~~ साथ ही विकसित राष्ट्रों द्वारा अल्पविकसित एवं विकासशील राष्ट्रों से गरीबी दूर करने एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु फंड उपलब्ध करवाने एवं तकनीकी हस्तांतरण का भी है जिसमें विकसित राष्ट्रों ने ईमानदारी नहीं दिखाई है

(4) प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन का मुद्दा बनाम कुल कार्बन उत्सर्जन का मुद्दा

अतः जलवायु परिवर्तन की वार्ताओं की सफलता हेतु अपनाई जा सकने वाली रणनीतियां

(1) विकसित राष्ट्रों को अपनी ऐतिहासिक

अतः उत्सर्जन क्षमता को देखते हुए विकासशील राष्ट्रों को तकनीकी एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध करवानी चाहिए।

(1) प्रत्येक राष्ट्र द्वारा अपनी स्वैच्छिक कटौती की घोषणा करनी चाहिए जैसे भारत द्वारा 2030 तक 2005 से 33-35% कम उत्सर्जन की बात की गई है

(3) विकसित राष्ट्रों को अपने निहित स्वार्थों से ऊपर उठकर कम निकट के भूमि से द्वीपीय राष्ट्रों की भी सोचनी चाहिए

(4) विकसित राष्ट्रों की कटौती बाध्यकारी होनी चाहिए।

अतः इन संदर्भों में पेरिस सम्मेलन 2015 महत्वपूर्ण हो सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** Why is there a need for Performance Management System in an outcome oriented government? Evaluate the feasibility of peer review in context of Indian civil services. 10

एक परिणामोन्मुख सरकार में "कार्यनिष्पादन प्रवंधन प्रणाली" की आवश्यकता क्यों है? भारतीय लोक सेवाओं के संदर्भ में "सहकर्मी समीक्षा" (peer review) के औचित्य का मूल्यांकन कीजिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) Discretionary power in the hands of public servants is a necessary evil. Discuss. 10

लोक सेवकों के हाथों में विवेकाधीन शक्तियाँ एक आवश्यक बुराई हैं। चर्चा कीजिए।

भारत जैसे विकासशील देश के निम्न कारण से विवेकाधीन शक्तियों की आवश्यकता है :-

(1) चूंकि प्रशासकों को अनेक विकास संबंधी एवं प्रशासन से संबंधी कार्य करने होते हैं जिनमें कई बार तात्कालिक परिस्थितियां पैदा हो जाती है जिस पर निर्णय तात्कालिक रूप से लेना पड़ सकता है अतः विवेकाधीन शक्तियाँ आवश्यक है

(2) आज विविधताओं से भरा हुआ देश है अतः परिस्थितियाँ न केवल तात्कालिक रूप से पैदा होती है बल्कि इनकी प्रकृति कई बार विशिष्ट एवं जटिल होती है जिनको केवल कानूनों से हल नहीं किया जा सकता है।

(3) विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के समय, या मानव निर्मित आपदाओं के समय तत्काल निर्णय लेने की आवश्यकता होती है

अतः हम देखते हैं कि विवेकाधीन शक्तियाँ आवश्यक है लेकिन इन शक्तियों की आड़ में प्रशासकों द्वारा कई बार विभिन्न प्रकार के घोटाले कर दिए जाते हैं

अर्थात् अधिकांश भ्रष्टाचार की जड़ यही विवेकाधीन शक्तियाँ है जिसे हम विभिन्न घोटालों जैसे 2G, कॉमनवेल्थ, आदि के संदर्भ में देख सकते हैं।

अतः ~~[illegible]~~ किसी इन विवेकाधीन शक्ति को हम समाप्त तो नहीं कर सकते परंतु इस ~~हेतु इसे~~ इसका पर नियंत्रण हेतु इसे निम्न उपाय अपनाने चाहिए

(1) एक नैतिक संहिता का निर्माण होना चाहिए

(2) द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग भी यही कहता है।

(3) विवेकाधीन शक्ति वाले पदों पर साधारणतः ईमानदार व्यक्तियों को नियुक्त किया जाना चाहिए जो अपनी साख निष्पक्ष एवं ईमानदारी हेतु प्रसिद्ध रहे हों (सिविल सेवा आचरण नियमावली 1964, ~~[illegible]~~ प्रथम योजना आयोग भी ऐसी सिफारिश करते हैं)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) The landmark judgment by the Supreme Court of India recognized the transgender as a third sex. What attitudes do you notice towards the transgender people in India? Discuss some steps to facilitate a dignified life for the transgender people. 10

भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए ऐतिहासिक निर्णय से ट्रांसजेंडर्स को तृतीय लिंग के रूप में मान्यता दी गई है। आप भारतीय परिस्थितयों में ट्रांसजेंडर्स समुदाय के लोगों के प्रति किन अभिवृत्तियों की अनुभूति करते हैं | ट्रांसजेंडर्स के लिए गरिमापूर्ण जीवन निर्माण की दिशा में उठाए जा सकने वाले क़दमों के संबंध मे चर्चा कीजिए।

हाल में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ट्रांसजेंडर को तृतीय लिंग के रूप में मान्यता देना एवं उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग के लाभ देकर समाज की मुख्य धारा में शामिल करने संबंधी महत्वपूर्ण पहल है।

भारत में ट्रांसजेंडर संबंधी अभिवृत्तियाँ निम्न हैं :-

(1) उपेक्षापूर्ण व्यवहार : भारत में ट्रांसजेंडर के प्रति उपेक्षा पूर्ण व्यवहार किया जाता है

(2) सामान्य धारा में शामिल नहीं करना क्योंकि कोई व्यक्ति ट्रांसजेंडर को समाज की मुख्य धारा में शामिल नहीं करना चाहता यदि कोई व्यक्ति कभी किसी ट्रांसजेंडर के साथ खड़ा दिखाई देता है तो उसकी हँसी उड़ाई जाती है तथा उसे विशेष नजरों से देखा जाता है।

(3) पिछले जन्म के पापों के दण्ड के रूप में देखा जाता है कि इन्होंने पिछले जन्म में बुरे कर्म किए थे अतः इन्हें इस जन्म में भोगना पड़ रहा है।

अतः ट्रांसजेंडर के अधिकारों रक्षा के लिए निम्न कदम उठाये जा सकते हैं :-

(1) सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को गंभीरता पूर्वक लागू कर उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग के लाभ प्रदान किए जाए

(2) समाज की मनोवृत्ति बदलने एवं इन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने हेतु विभिन्न नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरियां, स्थानीय भाषा में पेम्फलेट के माध्यम से लोगों की मनोवृत्ति बदली जाए।

(3) इनके लिए उचित आवास, रोजगार, शिक्षा की व्यवस्था की जाए

(4) विभिन्न राजनीतिक, शैक्षणिक अधिकारों को सुनिश्चित किया जाए

हाल में कलकत्ता में एक किन्नर का स्कूल प्रधानाध्यापिका के रूप में पदभार ग्रहण करना तथा मध्यप्रदेश में नगरपालिका के चेयरमैन का पद ग्रहण इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) What key characteristics of a person conveying a message make it more persuasive? When celebrities endorse a product, they do so knowing that their endorsement will persuade people to buy it. What duty do they have towards the consumers? 10

संदेश देने वाले व्यक्ति की कौन-सी महत्वपूर्ण विशेषताएँ संदेश को और अधिक आग्रहपूर्ण बनाती हैं? जब ख्याति प्राप्त व्यक्ति किसी उत्पाद का विज्ञापन करते हैं, तो वे ऐसा यह जानते हुए करते हैं कि उनके द्वारा किसी वस्तु का किया गया विज्ञापन, लोगों को वह वस्तु खरीदने हेतु प्रेरित करेगा। इस सन्दर्भ मे उपभोक्ताओं के प्रति उनके क्या दायित्व हैं?

उत्पाद को बेचने में अभिवृत्ति परिवर्तन संबंधी मनोविज्ञान उपयोग में लाया जाता है। एक प्रोपर "परसुएशन" हेतु संदेशकर्ता में निम्न विशेषताएं होनी चाहिए

(1) विश्वसनीयता : संदेश देने वाला विश्वसनीय होना चाहिए जैसे एक टूथपेस्ट के विज्ञापन में दंत चिकित्सक की सलाह।

(2) आकर्षक : संदेश देने वाले का व्यक्तित्व आकर्षक होने पर प्रभाव ज्यादा अच्छा पड़ता है इसी कारण विज्ञापनों में मॉडल आदि का उपयोग किया जाता है जैसे महिला वस्त्रों के विज्ञापन में ऐश्वर्या राय का इस्तेमाल करना।

(3) साथ ही हम देखते हैं कि ख्याति प्राप्त लोगों के द्वारा विज्ञापन करना लोगों को प्रभावित करता है अतः उनके निम्न उत्तरदायित्व बनते हैं :-

(1) हमेशा उत्पाद का विज्ञापन करने से पूर्व अच्छी तरह से देखना चाहिए कि इससे उपभोक्ता के स्वास्थ्य पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बुरा असर तो नहीं पड़ेगा जैसे मादक पदार्थों के विज्ञापन, धूम्रपान का विज्ञापन करने से बचना चाहिए क्योंकि ख्याति प्राप्त लोग युवाओं के रॉल मॉडल होते है उदा० अमिताभ बच्चन धूम्रपान विज्ञापन नहीं करते है

(2) विज्ञापन करते समय विज्ञापनकर्ता को उस कंपनी की कार्यविधि का भी पता लगाना चाहिए कहीं वह उपभोक्ताओं के साथ धोखा धड़ी तो नहीं कर रही है जैसे शारदा समूह घोटाले में शारदा समूह द्वारा मिथुन चक्रवर्ती से विज्ञापन करवाया गया।

(3) विज्ञापनकर्ता को वस्तु/सेवा की गुणवत्ता का भी ध्यान रख विज्ञापन करना चाहिए

(4) विज्ञापन केवल लाभ प्रेरित नहीं होना चाहिए।

अतः विज्ञापनकर्ता ख्याति को सदैव जनहित एवं जनलाभ को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. It is said that child labor cannot be ethical at all. Do you agree? Discuss with respect to the proposed amendments to the Child Labour Act. 10
यह कहा जाता है कि बाल-श्रम किसी भी परिस्थिति में नैतिक नहीं हो सकता। क्या आप सहमत हैं? बाल-श्रम अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

हाँ, मैं इस बात से सहमत हूँ कि बाल श्रम किसी भी परिस्थिति में नैतिक नहीं हो सकता है क्योंकि बाल श्रम के माध्यम से हम उन करोड़ों बच्चों में अंतर्निहित संभावनाओं को न केवल दबाते है बल्कि उनके मासूम बचपन के साथ भी खिलवाड़ करते है।

साथ ही हमारे संविधान का अनु. 23, 24 भी हमें इस बात की अनुमति प्रदान नहीं करता है तथा हम संविधान के अनु. 21(क) में उल्लेखित निःशुल्क एवं बाल शिक्षा के मौलिक अधिकार एवं अनु. 51(क) में वर्णित मौलिक कर्तव्य प्रत्येक व्यक्ति के अंतर्निहित संभावना को विकसित करने के सपना के भी यह बात खिलाफ है।

बच्चों को श्रम कार्यों में नियोजित करने से वे अपनी शिक्षा से भी वंचित हो जाते हैं तथा उनसे ज्यादा शारीरिक श्रम करने के कारण उनके शरीर का विकास भी उचित ढंग से नहीं हो पाता है।

अतः बाल श्रम को उचित नहीं ठहराया जा सकता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हाल ही में बाल श्रम अधिनियम में संशोधन प्रस्तावित है जिसमें बच्चों को घरेलू कार्यों अर्थात् माता-पिता के साथ उनके जीवन को खतरे में नहीं डालने वाले कार्य करवाए जा सकते हैं का प्रावधान किया जा रहा है वास्तव में देखा जाए तो भारत एक कृषि प्रधान देश है तथा खेती में यदि बच्चे माता पिता का काम में हाथ बटाते हैं तो इसे बुरा नहीं माना जा सकता है साथ ही हर माता चाहते हैं उनका बच्चा आगे बढ़े एवं इस संशोधन में खतरे वाले कार्यों में सहयोग लेने पर प्रतिबंध की बात कही गई है।

लेकिन हमारी तरफ से यह भी ध्यान रखना होगा कहीं इस प्रावधान का दुरुपयोग नहीं हो जाए, एवं बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो इस हेतु से मानिटरिंग प्रणाली को भी सुनिश्चितता प्रदान करनी चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Are emotions an inhibiting factor in effective decision-making? Discuss in the context of public services. 10

क्या भावनाएं प्रभावपूर्ण निर्णय लेने के मार्ग में बाधक तत्व हैं? लोक सेवाओं के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

भावनाएं ऐसी मनःस्थिति होती है जिनमें हम अपनी तथा दूसरों की भावनाओं को समझते हैं तथा महसूस करते हैं।

जहां तक लोक सेवाओं के संदर्भ में भावनाओं ~~की बात है~~ इसका (आत्मविश्वास) के बाधक होने की बात है तो इसे पूर्णतः स्पष्ट नहीं कहा जा सकता है क्योंकि जहां कहीं भी भावनाओं के कारण प्रशासक जाता मानवपूर्ण निर्णय नहीं ले पाता है यथा यदि कोई प्रशासक अत्यधिक ~~संवेदनशील~~ है तथा उसका अपने क्रोध पर नियंत्रण नहीं है और वह पुलिस सेवा में है तो हो सकता है वह भीड़ के साथ उचित ना करे।

वहीं मान लो किसी प्रशासक में लोक मात्र भी भावना नहीं है एवं उसका गांव से एक बुढ़िया पेंशन के लिए आती है उसके पास आगवात नहीं है तो प्रशासक उसके साथ संवेदनहीन हो सकता है।

अतः भावना का प्रशासन में बहुत महत्व है। समाज के कमजोर तबके के प्रति संवेदनशील होना तो एक बुनियादी मूल्य है। अतः बात भावना के नहीं होने की तो उठती ही नहीं चाहिए बल्कि बात यह है कि भावना नियंत्रित होनी चाहिए तथा उसका उपयोग बुद्धिमत्तापूर्ण होना चाहिए यह एक कौशल है जिसको ट्रेनिंग द्वारा प्रशासक में विकसित करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. What do you understand by the Sarvodaya philosophy of Gandhiji? Why is Sarvodaya relevant for civil servants in India? 10

गांधीजी के सर्वोदय दर्शन से आप क्या समझते हैं? भारत में लोक सेवकों के लिए सर्वोदय क्यों प्रासंगिक है?

गांधीजी के सर्वोदय का आशय है सबका सब प्रकार से उत्थान। अर्थात् अमीर, गरीब पुरुष, महिला आदि सभी का उत्थान एवं सब प्रकार से उत्थान का आशय सामाजिक उत्थान, धार्मिक उत्थान, राजनीतिक उत्थान, नैतिक उत्थान।

जहां ~~अमीर~~ अमीर आर्थिक रूप से सम्पन्न होते हैं लेकिन नैतिक एवं आध्यात्मिक रूप से कमजोर होते हैं ~~बल्कि~~ वहीं गरीबों का आर्थिक उत्थान आवश्यक है।

साथ ही गांधीजी के सर्वोदय में किसी प्रकार का लिंग भेद नहीं है तथा यह अन्य पूर्ववर्ती एवं समकालीन दर्शनों यथा मार्क्सवाद, डार्विन के योग्यतम की उत्तरजीविता, उपयोगितावाद से श्रेष्ठ है क्योंकि इन सब सिद्धांतों में किसी न किसी के बलिदान की बात है जबकि गांधी के सर्वोदय में सब के हित/कल्याण का निहितार्थ है।

भारत में लोक सेवकों के संदर्भ में सर्वोदय महत्त्वपूर्ण है क्योंकि

① भारत एक विकासशील देश है जो विकास की तरफ अग्रसर है अतः लोक सेवकों को विकास संबंधी अनेक कार्य करने पड़ते है अतः उनमें भ्रष्टाचार की संभावना रहती है।

② भारत में आज भी सामाजिक स्तर पर अनेक विभिन्नताएँ यथा जातिवाद, छुआछूत, लिंग भेद विद्यमान है।

③ हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है अतः इन विविधताओं के मध्य एकता लाने हेतु।

④ हमारे देश में आज भी अमीरी - गरीबी, ग्रामीण - शहरी विभाजन मौजूद है।

⑤ विकास संबंधी विषमताएं, पर्यावरणीय समस्याएं, क्षेत्रवाद, साम्प्रदायिकता जैसी समस्याओं का हल सतत, त्वरित, समावेशी विकास हेतु।

⑥ राजनीति के अपराधीकरण को रोकने हेतु

अतः आज गांधी का सर्वोदय हमारे लिए श्रेयस्कर है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. You are the leader of a 5 member team that has been assigned to carry out social impact assessment of a project proposed in a Naxal area. Members have been allotted a remote village each to conduct surveys and ascertain views of local people. You are under strict instructions not to disclose the identity of respondents outside the project. While compiling data, you are puzzled by the responses from one of the villages. You accompany the point-person for that village next day for verification. You randomly pick a person from the list of respondents and ask her for clarification of the response she had given earlier. She seems confused and denies any knowledge of the survey being conducted, let alone she being questioned. You try to verify this from other respondents and get similar replies. This raises serious doubts about the integrity and credibility of the survey process.

(a) What are the ethical issues involved in the situation?

(b) As a team leader accountable for credibility of the survey and working on a hard timeline, what are the possible options before you? List their merits and demerits.

(c) Giving reasons, state the course of action you would follow. 20

आप एक पांच सदस्यीय टीम के नेतृत्वकर्ता हैं , जिसे नक्सल क्षेत्र में प्रस्तावित एक परियोजना के सामाजिक प्रभाव आंकलन का कार्य सौंपा गया है। सर्वेक्षण करने और स्थानीय लोगों के दृष्टिकोण का पता लगाने के लिए प्रत्येक सदस्य को एक सूदूरवर्ती गांव आवंटित किया गया है। आपको सख्त निर्देश दिए गए हैं कि उत्तरदाताओं की पहचान को परियोजना से बाहर प्रकट नहीं किया जाए। आंकड़ों को संकलित करते समय, आप एक गाँव से प्राप्त उत्तरों से उलझन में पड़ जाते हैं। आप उस गाँव हेतु नियुक्त व्यक्ति (प्वाइंट पर्सन) के साथ अगले दिन सत्यापन करने जाते हैं। आप उत्तरदाताओं की सूची में से यादृच्छिक रूप से एक व्यक्ति का चयन करते हैं और उससे कहते हैं कि वह पहले दिए गए अपने उत्तरों का स्पष्टीकरण करे। वह कुछ भ्रमित प्रतीत होती है और न केवल स्वयं से प्रश्न पूछे जाने, वरन् सर्वेक्षण किए जाने के संबंध में जानकारी होने तक की बात भी नकारती है। आप इस तथ्य को अन्य उत्तरदाताओं से सत्यापित करने का प्रयास करते हैं और एक समान उत्तर प्राप्त करते हैं। यह सर्वेक्षण प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा और विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह पैदा करता है।

(a) इस परिस्थिति से सम्बंधित नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) आप इस टीम के नेतृत्वकर्ता के रूप में सर्वेक्षण की विश्वसनीयता हेतु और निश्चित समय-सीमा के अंतर्गत कार्य पूर्ण करने हेतु उत्तरदायी हैं | ऐसे में आपके सामने संभावित विकल्प क्या हैं? उन विकल्पों के लाभ और हानियों को सूचीबद्ध कीजिए।

(c) इस संबंध में आपके द्वारा की जाने वाली कार्यवाही का उल्लेख करें | इसके साथ ही कारण को भी स्पष्ट करें।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मेरे सामने के नैतिक मुद्दे :-

(1) सामाजिक प्रभाव आंकलन की विश्वसनीयता
(2) गाँव के लोगों के हित
(3) अपनी टीम की सत्यनिष्ठा

मेरे पास उपलब्ध विकल्प

(1) टीम सदस्य द्वारा उपलब्ध करवाएँ गए उत्तरों को मान लूँ एवं आगे बढ़ूँ। इस विकल्प को अपनाने से मैं काम समयबद्ध ढंग से कर दूँगा पर इसी तरह जो काम मुझे सौंपा गया है उसमें एक सिविल सेवक होने के नाते मुझसे दक्षता, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, विश्वसनीयता, पारदर्शिता की अपेक्षा की जाती है अतः इस दृष्टि से यह विकल्प उचित नहीं है साथ ही यह विकल्प सिविल सेवा आचरण नियमावली 1964, नैतिक्यात्मिक दायित्वों के भी विरुद्ध है एवं आगे उस क्षेत्र के लोगों की आजीविका भी जुड़ी हुई है।

(2) टीम के सदस्य को पुनः आंकलन का कहूँ। यह विकल्प इस मायने में तो उचित है कि पुनः आंकलन से उस क्षेत्र की सही जानकारी सामने आएगी लेकिन चूंकि मुझे समय पर रिपोर्ट भी देनी है अतः इसमें पुनः समय लगेगा।

इस दृष्टि से ठीक उचित नहीं कहा जा सकता।

(3) स्वयं ओकलन करके तथा टीम के सदस्य पर कड़ी कार्यवाही की सिफारिश करना तथा साथ ही अतिरिक्त समय निकालकर अन्य सदस्यों को निर्देशन देता रहूं। यह विकल्प इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि इससे मेरी विश्वसनीयता बनी रहेगी तथा चूंकि परियोजना पहले से ही नक्सल प्रभावित इलाके से है अतः उस क्षेत्र का उचित ओकलन हो सकेगा मेरी सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता भी बनी रहेगी साथ ही लोगों का प्रशासन पर विश्वास और बढ़ेगा जो किसी नक्सल क्षेत्रों में सबसे ज्यादा कमी दिखाई देती है साथ ही टीम सदस्य पर कड़ी कार्यवाही करके उसे दण्ड देना भी उचित होगा क्योंकि उसने लापरवाही बरती है तथा सिविल सेवा के बुनियादी मूल्य सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता का उल्लंघन किया है साथ ही सिविल सेवा आचरण नियमावली 1964 में वर्णित प्रत्येक सिविल सेवक कार्य को उच्च गुणवत्ता से संपादित करेगा की भी अनदेखी की है।

अतः मैं तीसरे विकल्प को चुनूँगा क्योंकि इससे टीम की विश्वसनीयता, सत्यनिष्ठा

एवं ईमानदारी बनी रहेगी साथ ही दोषी को
दण्ड भी मिलेगा तथा अतिरिक्त समय में
कार्य का कार्य को समय पर पूरा किया
जाने की बात है तथा साथ ही कार्य की
गुणवत्ता प्रभावित न हो इसलिए लोगों
की समय समय पर निगरानी एवं जांच की
बात भी इस विकल्प में है साथ
में इस बात से उच्च अधिकारियों को अवगत
भी करवाऊंगा ताकि संगठित
प्रतिबद्धता बनी रहे एवं इससे जवाबदेहिता
एवं पारदर्शिता सुनिश्चित होगी साथ
ही मैं उनसे समयावधि बढ़ाने का
विनम्र अनुरोध भी करूंगा ताकि पूर्ण
गुणवत्ता के साथ रिपोर्ट दे सकूं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

10. Gajendra, once a struggling film actor, was accused and later exonerated of rape charges, which the jury found out to be motivated and fake. Not able to cope up with the situation, he changed profession and moved on. Thirty years later, while his closest friends know about the incident but his co-workers do not. One day, out of curiosity, he searches for his name on the internet, and to his surprise, finds that the third entry that comes up is an old report in a local newspaper about the rape charges he faced.

Gajendra is upset; after all these years, he would like to be able to disclose the event only to whomever he wants. He has heard about the decision of European Court of Justice which allows individuals to submit requests to a search engine to remove certain results from searches on their names, and citing the same, requests the search engine and media outlet to remove the results.

Valid arguments can be advanced for making the Right to be Forgotten a fundamental right? What those arguments could be? What limitations, if any, can it be subjected to? Should there be any obligations on the search engines regarding cases which are no longer relevant, as the one mentioned above? 20

गजेन्द्र एक संघर्षरत फिल्म अभिनेता था। पहले तो उसे अभियुक्त बनाया गया और फिर बाद में उसे बलात्कार के आरोपों से मुक्त कर दिया गया। इन आरोपों को न्यायिक पीठ ने दुर्भावना से अभिप्रेरित और झूठा पाया। इस स्थिति का सामना न कर पाने के कारण उसने अपने पेशे में परिवर्तन करते हुए आगे का जीवन निर्वाह किया। तीस वर्ष पश्चात्, उसके घनिष्ठतम मित्रों को इस घटना के बारे में पता है किन्तु उसके सहकर्मी इस बात को नहीं जानते हैं। एक दिन उत्सुकतावश वह इंटरनेट पर अपने नाम की खोज करता है और आश्चर्यजनक रूप से यह पाता है दृष्टिगत तीसरी प्रविष्टि एक स्थानीय समाचारपत्र में उसके द्वारा सामना किए गए बलात्कार के आरोपों के बारे में एक पुरानी रिपोर्ट की है।

गजेन्द्र परेशान है; इतने वर्षों के बाद, वह इस घटना को केवल अपनी पसंद के लोगों के समक्ष प्रकट करना चाहेगा। उसने यूरोपीय न्यायालय के उस निर्णय के बारे में सुना है, जो व्यक्तियों को अपने नाम से की जाने वाली खोज संबंधी कुछ परिणामों को हटाए जाने हेतु सर्च इंजन को निवेदन प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करता है और उसी का उद्धरण देते हुए, सर्च इंजन और मीडिया आउटलेट को परिणामों को हटाए जाने हेतु निवेदन करता है।

क्या "भुला दिए जाने के अधिकार" को मौलिक अधिकार बनाने हेतु वैध तर्क दिए जा सकते हैं? वे तर्क क्या हो सकते हैं? यदि उनकी कोई सीमाएं हैं तो वे सीमाएं क्या होंगी? ऊपर उल्लिखित प्रकरण की भांति अन्य अप्रासंगिक प्रकरणों के संबंध में क्या सर्च इंजनों का कोई दायित्व होना चाहिए?

उत्तर गुणवत्ता पूर्वक जीवन जीने के अधिकार में भुला दिए जाने का अधिकार भी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाता है इस संदर्भ में निम्न तर्क दिए जा सकते हैं

① जिस तरह अभिव्यक्ति की आजादी में वह

क्या अभिव्यक्त करना चाहता है उसका मौलिक अधिकार है उसी प्रकार क्या याद नहीं रखना है यह भी अनु० (19)(1)(a) के तहत मूल अधिकार होना चाहिए

(2) प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता के अधिकार अनु० 21 में भुलाने के अधिकार बिना गुणवत्ता पूर्वक जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है

(3) निजता का अधिकार मानव गरिमा एवं स्वतंत्र जीवन से जुड़ा है तो इसमें भुलाने का अधिकार भी शामिल होना चाहिए

(4) बेल्जियम के नागरिक के निर्णय में यूरोपीय न्यायालय द्वारा भी भुलाने के अधिकार को मूल अधिकार माना है।

जहाँ तक इसकी सीमा की बात है तो निम्न सीमाएं हो सकती है:-

(1) चूंकि संविधान के अनु० 226 के अंतर्गत उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय रिकॉर्ड न्यायालय है अतः इसका हर फैसला एक कानून है अतः इसे छिपा नहीं सकते है।

(2) केस स्टडी के ऐसे मामले उपयोगी हो सकते है

(3) अभी तक संपूर्ण विश्व में इस विषय में कोई सर्वमान्य कानूनी ढांचा बना

नहीं है।

(4) ऐसा तकनीकी के युग में यह बहुत कठिन कार्य है।

जहाँ तक नये देशन के दायित्व की बात है तो निम्न दायित्व बनते हैं -

(1) मैं व्यक्ति की निजता के स्वीकार करे तथा एक ऐसी प्रणाली विकसित करे जिसमें कोई व्यक्ति कोई ऐसी बात जो व्यक्तिगत न करना चाहे उसे तुरंत लिखित सूचना प्राप्त होते ही हटा दें।

(2) किसी व्यक्ति से संबंधित सूचना एवं सामग्री जारी करते समय उसके उसके बारे में जानकारी देनी चाहिए तथा उसकी आज्ञा लेने की प्रणाली विकसित करनी चाहिए।

अतः इस तकनीकी का विकास मानव जीवन को आनंददायी बनाने के लिए हुआ है न कि परेशानी के लिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are the officer in charge of overseeing refugees' related issues in a multilateral humanitarian organisation. There is an ethnicity based civil war going on in a region and as a result, many people are being displaced. Hitherto, the economically better-off neighbouring countries have accommodated the streams of migrants with financial support from your organisation. The violence in the region has increased recently and the flux of people seeking refuge has grown substantially. With countries sealing their borders, the refugees are left in a vulnerable situation. You are sent to negotiate for humanitarian settlement of refugees with the neighbouring countries, who also happen to be a powerful economic bloc. However, they refuse any more accommodation on the following grounds:

(a) Drainage of resources in face of subdued economic conditions.

(b) Domestic political repercussions.

(c) Rehabilitation will encourage more influx and indirectly fuel the persecutors.

(d) Permanency of settlement in face of better prospects than at home.

What are the counter-arguments that can be cited to convince the countries for an immediate solution? Suggest some long term measures as well that should be followed to address the problem. 20

आप एक बहुपक्षीय मानवतावादी संगठन में शरणार्थियों से संबंधित मुद्दों के निरीक्षण हेतु प्रभारी अधिकारी हैं। एक क्षेत्र में नस्ल आधारित गृहयुद्ध छिड़ा हुआ है, परिणामस्वरूप अनेक लोग विस्थापित हो रहे हैं। अभी तक, आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति वाले पड़ोसी देशों ने आपके संगठन से प्राप्त वित्तीय सहायता से प्रवास करने वाले लोगों के जत्थों को स्थान दिया है। हाल ही में क्षेत्र में हिंसा बढ़ गयी है और शरण चाहने वाले लोगों का प्रवाह अत्यधिक बढ़ गया है। देश अपनी सीमाओं को सील कर रहे हैं, जिससे शरणार्थी सुभेद्य स्थिति में हैं। आपको उन पड़ोसी देशों से शरणार्थियों हेतु मानवतावादी आधार पर रहने की व्यवस्था करने हेतु वार्ता के लिए भेजा गया है। वे पड़ोसी देश आर्थिक रूप से शक्तिशाली गुट हैं। हालांकि वे निम्नलिखित आधारों पर और अधिक शरणार्थियों को स्थान देने से मना कर सकते हैं:

(a) गिरती हुई आर्थिक स्थिति करने के कारण संसाधनों की कमी।

(b) घरेलू राजनैतिक प्रभाव।

(c) पुनर्वास और अधिक अंतर्वाह को प्रोत्साहित करेगा और अप्रत्यक्ष रूप से उत्पीड़कों या अत्याचारियों को उत्तेजित करेगा।

(d) अच्छी संभावनाओं के कारण अपने मूल देश की अपेक्षा यहीं पर स्थायी रूप से बस जाना।

इन विकल्पों के विपक्ष मे दिए जाने वाले तर्क कौन से हैं, जिनके माध्यम से राष्ट्रों को तत्काल समाधान के लिए राजी किया जा सकता है। कुछ दीर्घावधिक उपायों का सुझाव भी दीजिए जिनका समस्या के समाधान के लिए पालन किया जाना चाहिए।

विकल्प (a) गिरती हुई आर्थिक स्थिति के कारण संसाधनों में कमी। इस विकल्प के विपक्ष में यह तर्क दिया जा सकता है कि मानव जीवन बेहद मूल्यवान है तथा को बचाना [illegible]

है साथ ही शरणार्थियों के शरण दिए जाने से भागी नहीं है वे राष्ट्र पर बोझ बने वे अपनी प्रतिभा एवं मेहनत के बल पर राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में अपनी भागीदारी निभा कर राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक भी ले जा सकते है तथा श्रम समस्याओं का निवारण भी हो सकते है।

विकल्प (b) घरेलू राजनीतिक प्रभाव। इस विकल्प के विपक्ष में यह तर्क दिया जा सकता है कि लोकतांत्रिक राष्ट्रों में राजनीतिक दलों के बीच वैचारिक मतभेद हो सकते है पर उनमें विभिन्न संयुक्त बैठकों के माध्यम से एक उपयुक्त हल भी निकाला जा सकता है तथा जनमत को भी इस दिशा में प्रेरित किया जा सकता है हां, यह कठिन अवश्य है लेकिन असंभव तो नहीं है।

विकल्प (c) जहां तक मौखिक अंतर्वाह एवं अप्रत्यक्ष रूप से उत्पीड़कों को उत्तेजित करने की बात है तो इसके विपक्ष में यह कहा जा सकता है और आतंक के भय से भागे हुए लोगों के साथ तो खिलवाड़ नहीं किया जा सकता है तथा यह भी हो सकता है इससे अत्याचारियों पर आत्मावलोकन करने का दबाव बढ़े।

विकल्प (4) स्वदेशी भावनाओं के कारण स्थायी रूप से वापस जाने के विपक्ष में यह तर्क दिया जा सकता है कि राष्ट्र अपनी एक तात्कालिक एवं दीर्घकालिक नीति बना सकता है जिसमें तात्कालिक रूप से शरण दे लेकिन दीर्घकालिक नीति में वैश्विक समुदाय पर उस दिशा में दबाव डाले के सद्भावपूर्ण कार्य करके चाहिए तथा संयुक्त राष्ट्र संघ आदि के माध्यम से उचित शांति स्थापित करवाकर लोगों को पुनः अपने देश में पुनर्वास किया जा सकता है लेकिन ऐसा भी हो जाए क्योंकि अपनी मातृभूमि से एक नैसर्गिक लगाव होता ही है।

~~अतः दीर्घकालिक उपाय~~

अतः हम निम्न दीर्घकालिक उपाय कर सकते हैं।

(1) वैश्विक ~~[illegible]~~ शांति संस्थाओं को और मजबूत बनाकर, उनकी कार्यवाही एवं पद्धति को ~~[illegible]~~ और लोकतांत्रिक बनाना होगा।

(2) आतंकी गतिविधियों के प्रति एक वैश्विक रणनीति एवं आतंकी गुटों एवं आतंक प्रोत्साहित करने वाले राष्ट्रों

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

का अंतर्राष्ट्रीय बहिष्कार होने

(3) आंतरी मुद्दों के फंडिंग स्रोतों पर प्रभावी नियंत्रण लगाना।

(4) राष्ट्रों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना अर्थात् वेस्टफेलिया अपनाकर

(5) शरणार्थी संबंधी एक वैश्विक नीति बनाना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

12. You are a Divisional Forest Officer (DFO) in an urban district. The forest cover in the district is as low as 11% and it needs to be increased as per government guidelines. By ecological and environmental perspective also it is imperative that more trees should be planted.

However, you find out that while there is a grant of Rs. 1.5 crore for your division to plant trees under the Hariyali Scheme, most of this fund is lying unused. Since, it is December and as per government rules all the unused grant should be returned to the government as the financial year closes, it seems you will have to return the money completely.

Also, there are strong indications from the ministry that government is mulling over a budgetary cut on Hariyali mission because most of the funds go unused. There is a strong possibility that if you return the money in this financial year you wont get it in the next financial year and even if you get, it will be a very insignificant amount.

Indicate various options that you think are available in this situation. Evaluate these options and choose the most appropriate path to be adopted? 20

आप एक शहरी जिले में मंडल वन अधिकारी (डी.एफ.ओ.) हैं। जिले में वनाच्छादन 11 प्रतिशत कम है और इसे सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार बढ़ाया जाना है। पारिस्थितिकीय एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी अधिक संख्या में वृक्षारोपण किया जाना अनिवार्य है।

यद्यपि आप यह पाते हैं कि आपके मंडल (डिवीजन) में हरियाली योजना के अधीन वृक्षारोपण हेतु 1.5 करोड़ रुपए का अनुदान है, लेकिन इस फंड का अधिकांश भाग अप्रयुक्त है। चूंकि यह दिसंबर का महीना है और सरकारी नियमों के अनुसार, समस्त अप्रयुक्त अनुदान सरकार को लौटा दिया जाना चाहिए क्योंकि वित्तीय वर्ष समाप्त हो जाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि आपको पूरी राशि लौटानी होगी।

साथ ही, मंत्रालय से इस बात के निश्चित संकेत हैं कि सरकार हरियाली योजना के अंतर्गत बजट कम करने पर विचार कर रही है क्योंकि फंड का अधिकांश भाग अप्रयुक्त रह जाता है। इस बात के निश्चित संकेत हैं कि यदि आप वित्तीय वर्ष में राशि लौटाते हैं तो अगले वित्तीय वर्ष में यह आपको नहीं मिलेगा और यदि मिल भी जाता है तो वह राशि बहुत कम होगी।

स्वंय के अनुसार इस स्थिति में उपलब्ध विभिन्न विकल्पों के संबंध में बताएं। इन विकल्पों का मूल्यांकन करें और अपनाए जा सकने वाले सर्वाधिक उपयुक्त मार्ग का चयन करें।

विकल्प (1) पूरी राशि को लौटा दूं। कानून पर उचित है तथा इससे मैं वित्तीय रूप से पाक साफ रहूंगा तथा मेरे ऊपर वित्तीय अनियमितता के आरोप भी नहीं लगेंगे। लेकिन इसी तरह मैं ऐसे शहर का मंडल वन अधिकारी हूं जहां मात्र 11% ही वन क्षेत्र है शायद ही अगले वर्ष अनुदान

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

राशि मैं कभी भी लौटा दूँ अतः यदि मैं पूर्ण राशि लौटाता हूँ तो मैं बजटीय त्रुटि कर रहा हूँ अर्थात मैं अपनी जिम्मेदारी से पूर्ण ईमानदारी, कार्यनिष्ठा से नहीं निभा रहा हूँ तथा साथ ही यह एक उद्देश्य एवं नागरिक केन्द्रित प्रशासन के भी विपरीत है क्योंकि यहाँ मैं नागरिक कल्याण न देकर प्रक्रिया को ज्यादा महत्त्व दे रहा हूँ

विकल्प (2) राशि नहीं लौटाऊँ तथा सम्पूर्ण राशि का उपयोग कर लूँ। इस विकल्प से वृक्षारोपण हो जाएगा तथा राशि का भी उचित उपयोग होगा लेकिन चूँकि ऊपर से राशि वापस लौटाने का आदेश है अतः ऐसा करना संगठनिक प्रतिबद्धता के विपरीत तो है ही सिविल सेवा आचरण नियमावली 1964 के अनुसार भी गैर वैधानिक होगा साथ ही इसके भविष्य में गलत परम्परा पड़ेगी एवं मेरे स्वयं के ऊपर वित्तीय अनियमितता जैसे आरोप भी लग सकते हैं।

विकल्प (3) राशि को लौटा दूँ लेकिन इस क्षेत्र के वनों की ~~[illegible]~~ वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट बनाकर भेजूँ तथा साथ ही इस राशि को अगले वर्ष दी जाने वाली राशि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के साथ साथ इसे पुनः हरियाली योजना में देने की विनम्र निवेदन करूं। इससे एक तरफ मेरी सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, वस्तुनिष्ठता बनी रहेगी तथा उच्च अधिकारियों को भी वास्तविक स्थिति का पता चलने पर एवं राशि के उचित उपयोग का निवेदन करने पर अगले साल की हरियाली परियोजना में इसे पुनः भी प्रदान किया जा सकता है।

अतः मैं तीसरे विकल्प को चुनूंगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. You, an anthropologist, have developed cordial relations with a tribal community which was hitherto isolated from rest of the humanity. Notwithstanding increased interest of researchers and media for the newly discovered tribe, you are the only person from outside whom they trust. They are ardent believers in their goddess and, trusting you, take you to her abode on a holy mountain. To your surprise, you find that the mountain is a reservoir of Uranium that can be used in your power-starved country's nuclear power plants. Besides, you are aware that Uranium being radioactive, it is highly risky to go near the mountain. You try to convince the people about harmful effects it can have and the utilitarian value that it possess for the country. However, they are in no mood to argue and politely ask you to leave. You fear that very soon the outside world will find about this and the vulnerable tribe would be displaced from their land.

(a) Evaluate the following courses of action which you can take for their ethical merits and demerits:

i. You would continue to convince the people yourself about the possible consequences and urge them to relocate.

ii. You would call in local and national NGOs for protecting the rights of the people against the State and file a PIL in Supreme Court if the State proceeds with dispossession.

iii. You would yourself tell the government and the scientific community about the reserves and let them proceed in their own way.

(b) Without restricting yourself to the above options, state the course of action that you would take and why? 20

आप एक नृविज्ञानी हैं और आपने वैसे जनजातीय समुदाय के साथ मधुर संबंध बनाए हैं जो अब तक शेष मानवजति से पृथक था। नई खोजी गई जनजाति में मीडिया और शोधकर्ताओं की बढ़ती रूचि के पश्चात् भी आप अकेले ऐसे बाहरी व्यक्ति हैं जिन पर वे विश्वास करते हैं। वे अपनी देवी के अनन्य उपासक हैं और आप पर विश्वास करते हुए एक दिन वे आपको एक पवित्र पहाड़ पर स्थित उसके वास स्थल पर ले जाते हैं। आप इस बात से आश्चर्यचकित हो जाते हैं कि वह पहाड़ यूरेनियम का भंडार है जिसका उपयोग ऊर्जा की कमी से जूझते आपके देश के नाभकीय ऊर्जा संयंत्रों में किया जा सकता है। साथ ही, आप इस बात से भी अवगत हैं कि यूरेनियम के रेडियोधर्मी होने के कारण पहाड़ के निकट जाना अत्यधिक संकटपूर्ण है। आप लोगों को इसके क्षतिकारक प्रभावों और राष्ट्र के लिए इसकी उपयोगिता के मूल्य के संबंध में समझाने का प्रयास करते हैं। चूंकि वे अभी किसी तर्क-वितर्क की मुद्रा में नहीं हैं और आपसे सविनय चले जाने को कहते हैं। आपको इस बात का भय है कि शीघ्र ही बाह्य जगत इस संबंध में जान जाएगा और सुभेद्य जनजातीय लोग अपनी भूमि से विस्थापित हो जाएंगे।

(a) नैतिक औचित्य और अनौचित्य के आधार पर आपके द्वारा उठाए जाने वाले कदम का मूल्यांकन करें:

i. आप लोगों को संभावित परिणामों के संबंध में समझाना जारी रखेंगे और उन्हें पुनर्स्थापित होने को प्रेरित करेंगे।

ii. आप राज्य के विरुद्ध निवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए स्थानीय एवं राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों को आमंत्रित करेंगे और यदि राज्य निर्वासन की दिशा में बढ़ता है तो आप सर्वोच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका प्रस्तुत करेंगे।

iii. आप स्वयं सरकार एवं विज्ञान जगत को भंडार के संबंध में बताएंगे तत्पश्चात उन्हें उनकी इच्छानुसार कार्यवाही के लिए स्वंतत्र छोड़ देंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) अपने आपको उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित न करते हुए, उन उपायों को बताएं जिन्हें आप अमल में लाना चाहेंगें। ऐसा करने का कारण भी बताएं।

विकल्प (1) यह विकल्प इस विवाद में एक उचित विकल्प है कि लोगों को समझाना जारी रखूंगा। इसके फायदे यह है कि यूरेनियम के खनन से उस जाति पर पड़नेवाले दुष्प्रभाव से उन लोगों को बचा लूंगा तथा साथ ही राष्ट्र के लिए बढ़ती हुई ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए एक स्रोत उपलब्ध हो जाएगा। परंतु इसके एक जनजाति जो इस क्षेत्र में निवास करती है उनके विस्थापित होने का भय है साथ ही चूंकि वह अभी लोगों में घुली मिली भी नहीं है तो इन लोगों के साथ वह विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य, सामाजिक, आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़े। साथ ही उनके अस्तित्व पर भी खतरा आ सकता है।

विकल्प (2) यह विकल्प जनजाति के अधिकारों की रक्षा की दृष्टि से उचित है तथा ऐसा करने से जनजाति के अधिकार सुरक्षित हो सकते हैं लेकिन साथ ही यहां कुछ समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं जैसे

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

तस्करों का यहां पर प्रभाव बढ़ जाए तथा
गैर सरकारी संगठनों के आकर्षित करने से
हो सकता है उस क्षेत्र में आवाजाही बढ़ जाए
जो पर्यावरण एवं लोगों के स्वास्थ्य दोनों
की दृष्टि से हानिकारक हो तथा लोगों की
आजीविका भी विपरीत रूप से प्रभावित होगी
तथा मेरी विश्वसनीयता पर भी अंगुली
उठेगी क्योंकि मैंने आदिवासियों की विश्वसनीयता
को तोड़ा है।

विकल्प ③ यह विकल्प सरकार की ऊर्जा
जरूरत पूरी करने के संदर्भ में तो उपयुक्त
है लेकिन चूंकि आदिवासियों ने मेरे पर विश्वास
करके मुझे इन बातों की जानकारी दी अतः
सरकार की इच्छा उनकी सर्वेक्षण पर छोड़ना
विश्वासघात तो होगा ही साथ ही यह
मेरी पलायनवादी प्रवृत्ति को भी दर्शाता है।

अतः मैं आदिवासियों को समझानेकी
कोशिश करूंगा तथा साथ ही साथ उनका विश्वास
और अर्जित करने का प्रयास करूंगा इस
दिशा में मैं विभिन्न नवाचारी उपाय के
रूप में आधुनिक उपकरणों जैसे टैबलेट के
माध्यम से उन लोगों को कुछ ऐसी
आदिवासी जातियों के कार्य दिखाऊंगा जो
सामान्य लोगों के साथ मिलकर रहता तथा

विभिन्न पोस्टरों, नाटक करके उनकी अभिवृत्ति में परिवर्तन लाने का प्रयास करूँगा। तथा उनकी स्थानीय भाषा में उन्हें ~~समझाने~~ समझाने का प्रयास करूँगा। तथा उनमें यह विश्वास दिलाने का प्रयास करूँगा। कि लोग उनके सहयोगी है दुश्मन नहीं। ~~साथ ही~~

साथ ही सरकार से तात्कालिक रूप से उन लोगों के लिए उचित स्वास्थ्य शिक्षा की व्यवस्था की सुचारित करूँगा। तथा जब तक लोग एक सामान्य जीवन की समझ पैदा न कर लें तब तक वहां उत्खनन न करने हेतु निवेदन करूँगा। साथ ही उन लोगों में सामान्य शिक्षा के बाद उनके लिए वैकल्पिक रोजगार के अवसर पैदा करने के बाद वहां पर पेसा अधिनियम के तहत विशेष ग्राम सभा आदि से अनुमति लेना उनके उचित पुनर्वास के बाद आदिवासी और वनाधिकार अधि०-2006 के अनुसार व्यवस्था का उत्खनन की सिफारिश करूँगा। ताकि आदिवासियों के अधिकारों की भी सुरक्षा हो तथा राष्ट्र की ऊर्जा जरूरत भी पूरी हो।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. A junior member of staff has just returned to work after taking special leave to care for her elderly mother. For financial reasons she needs to work full-time. She has been having difficulties with her mother's home care arrangements, causing her to miss a number of team meetings (which usually take place at the beginning of each day) and to leave work early. She is very competent in her work but her absences are putting pressure on her and her overworked colleagues. You are her manager, and you are aware that the flow of work through the practice is coming under pressure. One of her male colleagues is beginning to make comments such as "a woman's place is in the home", and is undermining her at every opportunity, putting her under even greater stress.

What possible steps can you take to ensure that the work of the team does not suffer while also taking other humanitarian considerations into account. 20

अपनी बुजुर्ग मां की देखभाल के लिए विशेष छुट्टी पर रहने के पश्चात् एक कनिष्ठ कर्मी कार्य पर लौटी है। वित्तीय कारणों से उसे पूरे समय कार्य करने की आवश्यकता है। उसे अपनी मां के लिए घर पर देखभाल की व्यवस्था करने में कठिनाई आ रही है जिस कारण वह कई टीम बैठकों (जो प्रायः प्रति दिन, दिन के आरंभ में होते हैं) में उपस्थित नहीं हो पा रही है और वह कार्यालय से घर भी जल्दी चली जाती है। वह अपने कार्य में बहुत ही सक्षम है, लेकिन उसकी अनुपस्थित उसके ऊपर और काम के बोझ तले दबे उसके सहकर्मियों के ऊपर दबाव का कार्य कर रही है। आप एक प्रबंधक हैं और आप इस बात से अवगत हैं कि इस चलन से कार्य प्रवाह पर दबाव पड़ रहा है। उसके एक पुरुष सहकर्मी ने "एक महिला का स्थान घर में होता है" जैसे ताने भी मारने आरंभ कर दिये हैं और वह उसे प्राप्त हो सकने वाले प्रत्येक अवसर के संबंध मे कमजोर बना रहा है जिससे वह और भी गहन तनाव का अनुभव कर रही है।

सभी मानवीय पहलुओं का ध्यान रखते हुए, इन परिस्थितयों मे टीम का कार्य प्रभावित न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए आप कौन से कदम उठायेंगें?

मैं निम्न कदम उठाऊँगा :-

(1) सबसे पहले उस कनिष्ठ महिला कर्मि से इस संदर्भ में बातचीत करूँगा एवं उनकी इस समस्या के सभी पहलुओं से अवगत होने का प्रयास करूँगा तथा इस संदर्भ में उनकी माँ की देखभाल के कुछ वैकल्पिक तौर तरीकों के संदर्भ में भी उनसे बड़ी विनम्रता से जानकारी प्राप्त करूँगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) जहाँ तक प्रायः देर से आने की बात है जिससे वह कई बैठकों में भाग नहीं ले पाती है तो इस सन्दर्भ में मैं यह प्रयास करूंगा कि वह प्रातः दिन आरम्भ की बैठकों में उपस्थित हो इस हेतु सामने आ रही समस्या पर उससे बातचीत करूँगा तथा उसकी मां के लिए उस समय यदि कोई आवश्यकता हो तो उसे आया रखने तथा इस सन्दर्भ में विभिन्न गैर सरकारी संगठनों जैसे 'हेल्पेज इंडिया' वृद्धाश्रम के लोगों से सहायता लेने में मदद करूंगा ताकि उसकी मीटिंग के दौरान भी लोग उसकी मां की सहायता कर सकें।

(3) जहाँ तक शाम को जल्दी घर जाने की बात है इस सन्दर्भ में भी उपरोक्त उपाय उठाऊंगा।

(4) जहाँ तक उसके कार्यों का प्रभाव दूसरे कर्मियों की दक्षता को भी प्रभावित कर रहा है तो उसके हल के लिए मैं स्वयं भी अपने ऑफिस टाइम के अतिरिक्त समय पर उसके बचे हुए कार्यों तथा खाना खाने के समय का उपयोग कर अन्य कर्मियों का सहयोग करूंगा साथ ही उस महिला से बात कर उससे फ्लेक्सिबल कुछ वैकल्पिक समय जैसे रविवार आदि में भी उसकी सुविधानुसार व्यवस्था

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

करने का प्रयास करूंगा। साथ ही अन्य कर्मियों की दक्षता बढ़ाने हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करूंगा।

(3) जहाँ तक प्रबंध सदस्यों द्वारा ताने मारने की बात है इसके लिए मैं निम्न कदम उठाऊंगा

(a) → सबसे पहले महिला की लिखित शिकायत ग्रहण करूंगा तथा उसकी जाँच के लिए कार्यालय में महिला यौन उत्पीड़न समिति से जाँच करवाऊंगा तथा जाँच में दोषी पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की सिफारिश करूंगा क्योंकि कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न के संबंध में माननीय उच्चतम न्यायालय के विशाखा दिशा निर्देश, यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 भारतीय दण्ड संहिता एवं सिविल सेवा आचरण नियमावली 1964 के अनुसार एक दण्डनीय अपराध है। तथा साथ ही संवैधानिक मूल्यों (SIC) के भी विपरीत है।

साथ ही ~~सम्पूर्ण~~ कार्यालय में महिलाओं के प्रति सम्मान को बढ़ाने के लिए एक अच्छी कार्य संस्कृति विकसित करने हेतु ~~का~~ एवं पुरुषवादी मानसिकता को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस काम हेतु श्रमिकों के लिए ~~~~ नियत समय पर लघु फिल्मों एवं नाटकों का आयोजन कर उनकी मनोवृत्ति परिवर्तन करने का प्रयास भी करूंगा तथा साथ ही इन निर्देशों के कठोर अनुपालन हेतु का निकेत भी निर्देशित कर्मचारियों को देना उचित होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)